बी.ए. संस्कृत आनर्स विथ रिसर्च (विद्यालंकार)
प्रथम सत्र

आधारभूत पत्र (Core paper)	संस्कृत व्याकरण	**पूर्णाङ्क -100**
HSA-C121	Sanskrit Grammer	**सत्रान्त परीक्षा -60**
		आन्तरिक परीक्षा-40
		क्रेडिट- 06

पाठ्यक्रम का उद्देश्य-

इस पाठ्यक्रम के माध्यम से विद्यार्थियों को संस्कृत भाषा के संरचनात्मक वैशिष्ट्य से परिचित कराना है। इसका माध्यम से छात्रों में संस्कृत भाषा का ज्ञान तथा सम्भाषण कौशल का विकास करना है, जिससे छात्र संस्कृत साहित्य में निहित ज्ञान विज्ञान से परिचित हो सकें।

पाठ्यक्रम अध्ययन परिणाम-

CO1 संस्कृत भाषा संरचना को जानेंगे।
CO2 संस्कृत भाषा को समझने का कौशल विकसित होगा।
CO3 काव्यगत भावाभिव्यक्ति एवं सृजनात्मक कला में निपुण होंगे।

प्रश्नपत्र मूल्यांकन विधि

प्रश्नपत्र का मूल्यांकन आन्तरिक मूल्यांकन (40 अंक) तथा सत्रान्त परीक्षा (60 अंक) के द्वारा होगा। आन्तरिक मूल्यांकन (40 अंक) में 25 अंक सत्रीय परीक्षा, 10 अंक उपस्थिति तथा 05 असाइनमेण्ट के होंगे। सत्रान्त परीक्षा (60 अंक) में प्रश्नपत्र क, ख एवं ग तीन खण्डों में विभक्त होगा। खण्ड क में 05 अतिलघूत्तरीय प्रश्न पूछे जायेंगे, सभी प्रश्न अनिवार्य होंगे तथआ प्रत्येक प्रश्न 02 अंक का होगा। खण्ड ख में 06 लघूत्तरीय प्रश्न पूछे जायेंगे, जिनमें 04 प्रश्नों का उत्तर देना होगा। खण्ड ख का प्रत्येक प्रश्न 05 अंक का होगा। खण्ड ग में 05 दीर्घोत्तरीय प्रश्न पूछे जायेंगे, जिनमें 03 प्रश्नों का उत्तर देना होगा। खण्ड ग का प्रत्येक प्रश्न 10 अंक का होगा

प्रस्तावित पाठ्यक्रम

Unit-1 **संस्कृत व्याकरण का सामान्य परिचय** (पाणिनीय प्रवेशिका के अनुसार)
Unit-II **अष्टाध्यायी सूत्र स्मरण** (प्रत्याहार सूत्र एवं प्रथम अध्याय का प्रथम एवं द्वितीय पाद)
Unit-III **सूत्र व्याख्या एवं सिद्धि**
(प्रत्याहार सूत्र एवं प्रथम अध्याय का प्रथम पाद) अतिदेश प्रकरण (सूत्र 1.1.55 से 1.1.58) को छोडकर

संस्तुत ग्रन्थ

1. पाणिनीय प्रवेशिका, लेखक, स्वामी समर्पणानन्द सरस्वती, प्रकाशक- सामर्पण शोध संस्थान, साहिबाबाद
2. अष्टाध्यायी, प्रकाशक- रामलाल कपूर ट्रस्ट, रेवली, सोनीपत (हरयाणा)
3.जिज्ञासु ब्रह्मदत्त, अष्टाध्यायी भाष्य प्रथमावृत्ति, प्रथम भाग, प्रकाशक- रामलाल कपूर ट्रस्ट, रेवली, सोनीपत (हरयाणा)

Mapping Between Cos and Pos		
	Course Outcomes (COs)	Mapped Programme Outcome
CO1	इस पाठ्यक्रम से संस्कृत भाषा संरचना को जानेंगे।	PO2
CO2	संस्कृत भाषा को समझने का कौशल विकसित होगा।	PO8
CO3	संस्कृत भाषा में सृजनात्मक एवं भावाभिव्यक्ति में निपुण होंगे।	PO13

प्रश्नपत्र अध्ययन परिणाम मूल्यांकन (Course Outcome Assessment)

यह प्रश्नपत्र पाठ्यक्रम के निर्धारित अध्ययन परिणाम PO.2, PO.8, PO.13 को अधिकता से पूर्ण कर रहा है।

बी.ए. संस्कृत आनर्स विथ रिसर्च (विद्यालंकार)
द्वितीय सत्र

आधारभूत पत्र (Core paper)	**संस्कृत नीतिकाव्य**	**पूर्णाङ्क -100**
HSA-C122	**Sanskrit Didactic Poetry**	**सत्रान्त परीक्षा -60**
		आन्तरिक परीक्षा-40
		क्रेडिट- 06

पाठ्यक्रम का उद्देश्य

इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थी को संस्कृत नीतिकाव्यों की जानकारी देना है। इसका मन्तव्य साहित्य की ऐसी समझ प्रदान करना है, जिससे कि विद्यार्थी संस्कृत साहित्य के विकास को समझ सकेंगे तथा छात्रों में नैतिकमूल्य विकसित होंगे।

पाठ्यक्रम अध्ययन परिणाम-

CO1 इसके अध्ययन से छात्र संस्कृत रचना की प्रवृत्ति एवं सिद्धान्तों से परिचित होंगे।।

CO2 छात्र संस्कृतभाषा के संरचनात्मक भाषावैशिष्ट्य को जानेंगे।

CO3 इसके अध्ययन से छात्र नैतिक एवं सांस्कृतिक मूल्यों का ज्ञान प्राप्त करेंगे।

प्रश्नपत्र मूल्यांकन विधि

प्रश्नपत्र का मूल्यांकन आन्तरिक मूल्यांकन (40 अंक) तथा सत्रान्त परीक्षा (60 अंक) के द्वारा होगा। आन्तरिक मूल्यांकन (40 अंक) में 25 अंक सत्रीय परीक्षा, 10 अंक उपस्थिति तथा 05 असाइनमेण्ट के होंगे। सत्रान्त परीक्षा (60 अंक) में प्रश्नपत्र क, ख एवं ग तीन खण्डों में विभक्त होगा। खण्ड क में 05 अतिलघूत्तरीय प्रश्न पूछे जायेंगे, सभी प्रश्न अनिवार्य होंगे तथआ प्रत्येक प्रश्न 02 अंक का होगा। खण्ड ख में 06 लघूत्तरीय प्रश्न पूछे जायेंगे, जिनमें 04 प्रश्नों का उत्तर देना होगा। खण्ड ख का प्रत्येक प्रश्न 05 अंक का होगा। खण्ड ग में 05 दीर्घोत्तरीय प्रश्न पूछे जायेंगे, जिनमें 03 प्रश्नों का उत्तर देना होगा। खण्ड ग का प्रत्येक प्रश्न 10 अंक का होगा

प्रस्तावित पाठ्यक्रम

Unit-1 हितोपदेश (प्रस्तावना एवं द्वितीय कहानी श्लोक सं० 56 तक)

1. प्राक्कथन (सम्पूर्ण प्रस्तावना), अनुवाद एवं व्याख्या
2. प्रथम एवं द्वितीय कहानी (श्लोक संख्या 56 तक) अनुवाद महत्त्व व्याख्या
3. कवि परिचय

Unit-2 चाणक्य नीति (प्रथम एवं द्वितीय अध्याय)

1. प्रथम अध्याय के श्लोकों का अनुवाद एवं व्याख्या ।
2. द्वितीय अध्याय के श्लोकों का अनुवाद एवं व्याख्या।
3. कवि परिचय

Unit-3 विदुरनीति (20 से 50 श्लोक)

1. विदुरनीति के श्लोकों का अनुवाद एवं व्याख्या ।
2. कवि परिचय

Unit-4 नीतिशतकम् (1 से 40 श्लोक)

1. नीतिशतकम् के श्लोकों का अनुवाद एवं व्याख्या
2. भर्तृहरि की सामाजिक समीक्षा, मूर्ख पद्धति

सन्दर्भ ग्रन्थ-

1. विष्णुदत्त शर्मा शास्त्री(व्या.), भर्तृहरिकृत नीतिशतकम्, विमलचन्द्रिका संस्कृतटीका व हिन्दी- व्याख्यासहित, ज्ञानप्रकाशन, मेरठ।
2. हितोपदेश, चौखम्बा प्रकाशन, नई दिल्ली।
3. विदुरनीति, चौखम्बा प्रकाशन, नई दिल्ली।
4. चाणक्यनीति, साहित्य भण्डार, मेरठ।

Mapping Between Cos and Pos		
	Course Outcomes (COs)	Mapped Programme Outcome
CO1	छात्र संस्कृत पद्य रचना की प्रवृत्ति एवं सिद्धान्तों से परिचित होंगे।।	PO.13
CO2	छात्र संस्कृतभाषा के संरचनात्मक भाषावैशिष्ट्य को जानेंगे।	PO.2
CO3	छात्र प्राचीन सामाजिक स्थिति एवं सांस्कृतिक मूल्यों का ज्ञान प्राप्त करेंगे।	PO.4, PO.7

प्रश्नपत्र अध्ययन परिणाम मूल्यांकन (Course Outcome Assessment)

यह प्रश्नपत्र पाठ्यक्रम के निर्धारित अध्ययन परिणाम PO.13, PO.2, PO.4, PO.7 को अधिकता से पूर्ण कर रहा है।

बी.ए. संस्कृत आनर्स विथ रिसर्च (विद्यालंकार)
सत्र- प्रथम

कौशलविकास पाठ्यक्रम **सर्वाङ्गीण स्वास्थ्यः योग एवं आयुर्वेद** **पूर्णाङ्क -100**
(Skill development course) **सत्रान्त परीक्षा -60**
Paper HSA–S121 **आन्तरिक परीक्षा-40**
सकल-अर्जिताधिभार 04

पाठ्यक्रम का उद्देश्य-

इस पत्र का लक्ष्य छात्रों को योग एवं आयुर्वेद का ज्ञान कराना है, जिससे छात्र आयुर्वेद एवं योग के महत्त्व एवं स्वरूप को जानकर सर्वविध स्वास्थ्य को प्राप्त कर सकें।

पाठ्यक्रम अध्ययन परिणाम-

CO1 आयुर्वेद के मौलिक सिद्धान्त एवं योग को जानने में समर्थ होंगे।
CO2 प्राचीन चिकित्सा पद्धति में कुशलता बढ़ेगी।
CO3 सर्वाङ्गीण स्वास्थ्य रक्षण के महत्त्व को समझेंगे।

प्रश्नपत्र मूल्यांकन विधि

प्रश्नपत्र का मूल्यांकन आन्तरिक मूल्यांकन (40 अंक) तथा सत्रान्त परीक्षा (60 अंक) के द्वारा होगा। आन्तरिक मूल्यांकन (40 अंक) में 25 अंक सत्रीय परीक्षा, 10 अंक उपस्थिति तथा 05 असाइनमेण्ट के होंगे। सत्रान्त परीक्षा (60 अंक) में प्रश्नपत्र क, ख एवं ग तीन खण्डों में विभक्त होगा। खण्ड क में 05 अतिलघूत्तरीय प्रश्न पूछे जायेंगे, सभी प्रश्न अनिवार्य होंगे तथआ प्रत्येक प्रश्न 02 अंक का होगा। खण्ड ख में 06 लघूत्तरीय प्रश्न पूछे जायेंगे, जिनमें 04 प्रश्नों का उत्तर देना होगा। खण्ड ख का प्रत्येक प्रश्न 05 अंक का होगा। खण्ड ग में 05 दीर्घोत्तरीय प्रश्न पूछे जायेंगे, जिनमें 03 प्रश्नों का उत्तर देना होगा। खण्ड ग का प्रत्येक प्रश्न 10 अंक का होगा।

प्रस्तावित पाठ्यक्रम

Unit-I आयुर्वेद एवं स्वास्थ्य

1 सर्वांगीण स्वास्थ्य का स्वरूप

2 आयुर्वेद के अनुसार स्वास्थ्य का स्वरूप

3 सुस्वास्थ्य का आधार एवं उपाय

4 स्वस्थवृत्तम्, आयुर्वेद सिद्धान्त रहस्य, अध्याय 05

5 योगशतकम् के अनुसार प्रमुख रोग चिकित्सा श्लोक संख्या 1 से 60

6 योगशतकम् के अनुसार प्रमुख रोग चिकित्सा श्लोक संख्या 61 से अंतिम तक

Unit-II योग एवं सुस्वास्थ्य

1 प्रमुख आसन एवं सुस्वास्थ्य - शीर्षासन, सर्वांगासन, हलासन, वज्रासन , पश्चिमोतानासन, मयूरासन, भुजंगासन , मत्स्येन्द्रियासन, मंडूकासन, शशकासन , उत्तानपादासन , पद्मासन ,सिद्धासन , ताड़ासन , सूर्य नमस्कार , गरुडासन

2 प्राण चिकित्सा का महत्त्व - उद्गीथ प्राणायाम - दीर्घ श्वसन, अनुलोम विलोम, बाह्य कुम्भक, अन्तः कुम्भक, भ्रामरी, शीतली

3 मर्म चिकित्सा

4 अवसाद, चिन्ता एवं तनाव मुक्ति के यौगिक उपाय- उद्गीथ प्राणायाम, जप, धारणा एवं ध्यान

5 संकल्प एवं मंत्र चिकित्सा

Unit-III उक्त का क्रियात्मक रूप

सहायक पुस्तकें :

1. आयुर्वेद सिद्धान्त रहस्य, पतञ्जलि योगपीठ, हरिद्वार
2. चरक संहिता- चौखम्भा औरन्टालिया,जवाहर नगर, बैंग्लो रोड़, नई दिल्ली
3. योगशतकम् - पतंजलि योगपीठ प्रकाशन, बहादराबाद, हरिद्वार
4. योग संदर्शिका - बिहार स्कूल ऑफ योगा, मुंगेर, बिहार
5. योग चिकित्सा- बिहार स्कूल ऑफ योगा, मुंगेर, बिहार
6. मर्म चिकित्सा, डा० सुनील जोशी, मृत्युञ्जय शोधसंस्थान, हरिद्वार

Mapping Between Cos and Pos		
	Course Outcomes (COs)	Mapped Programme Outcome
CO1	आयुर्वेद के मौलिक सिद्धान्त एवं योग को जानने में समर्थ होंगे।	PO.3
CO2	प्राचीन चिकित्सा पद्धति में कुशलता बढ़ेगी।	PO.8
CO3	सर्वाङ्गीण स्वास्थ्य रक्षण के महत्त्व को समझेंगे।	PO.18

प्रश्नपत्र अध्ययन परिणाम मूल्यांकन (Course Outcome Assessment)

यह प्रश्नपत्र पाठ्यक्रम के निर्धारित अध्ययन परिणाम PO.3, PO.8, PO.18 को अधिकता से पूर्ण कर रहा है।

बी.ए. संस्कृत आनर्स विथ रिसर्च (विद्यालंकार)
सत्र- प्रथम

नैतिकमूल्यपरक पाठ्यक्रम **श्रेष्ठ जीवन एवं नैतिकता** **पूर्णाङ्क -50**
HSA–V121 **सत्रान्त परीक्षा -30**
आन्तरिक परीक्षा-20
सकल-अर्जिताधिभार 02

पाठ्यक्रम उद्देश्य -

इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य संस्कृत साहित्य में निहित नैतिक मूल्यों से छात्रों को परिचित कराना तथा संस्कारित करना है। एतर्थ इस पाठ्यक्रम में संस्कार, पञ्च महायज्ञ तथा संस्कृत साहित्यगत नैतिक मूल्यों को समाविष्ट किया गया है।

पाठ्यक्रम अध्ययन परिणाम

CO1 पञ्चमहायज्ञ के स्वरूप से परिचित होंगे।
CO2 मानव जीवन में संस्कारों की महत्ता जानेंगे एवं उनके अनुष्ठान में कुशल होंगे।
CO3 छात्रों में नैतिक मूल्य विकसित होंगे।
CO4 छात्र धर्म के यथार्थ स्वरूप तथा उसके समालोचनात्मक स्वरूप को जानेंगे।

प्रश्नपत्र मूल्यांकन विधि

प्रश्नपत्र का मूल्यांकन आन्तरिक मूल्यांकन (20 अंक) एवं सत्रान्त परीक्षा (30 अंक) के द्वारा होगा। आन्तरिक मूल्यांकन में 10 अंक सत्रीय परीक्षा, 05 अंक उपस्थिति तथा 05 असाइनमेण्ट के होंगे। सत्रान्त परीक्षा में 06 लघूत्तरीय प्रश्न पूछे जायेंगे, जिनमें से 05 प्रश्नों का उत्तर देना होगा। प्रत्येक प्रश्न 06 अंक का होगा

प्रस्तावित पाठ्यक्रम

Unit-I मानव जीवन एवं नैतिकता

1 नैतिकता का स्वरूप एवं महत्त्व

2 श्रेष्ठता एवं सफलता का आधार नैतिकता

3 पञ्च महायज्ञ का परिचय एवं महत्त्व

4 संस्कारों का परिचय एवं महत्त्व

Unit-II धर्म एवं नैतिकता

1 धर्म का स्वरूप - 2/35 , 4/240 - 243, 6-13 , 6/92-94,

(क) ब्रह्मचारी के नियम - 2/177 -183 , 191 -202 , 218

(ख) गायत्री जप विधि - 2/75 - 85 , 106

2 प्रात: जागरण - मनुस्मृति - श्लोकसंख्या 4/ 92 - 94

3 यम नियम - जीवन एवं समाज में महत्त्व (योग दर्शन द्वितीय पाद के अनुसार)

4 आहार शुद्धि एवं सत्त्व शुद्धि

(क) सात्विक आहार - गीता-4/30, 6/16-17, 9/26-27 , छान्दोग्य उपनिषद् -2/26

(ख) भक्ष्याभक्ष्य मनुस्मृति - 5 / 2, 3, 4, 5 ; 8/ 46, 49, 51

5 भोजन मन्त्र - अन्नपते..... एवं मोघमन्नं विन्दते..... दोनों मन्त्रों का अर्थ सहित स्मरण

Unit-III उन्नतिकारक वेद एवं नीति वचन

1 चाणक्य नीति 5/7 -20 (13 श्लोक) आलस्योपहता विद्या (7 /01- 20) प्रमुख श्लोक

2 विदुर नीति - पण्डित के लक्षण अध्याय 1/20-24

3 साम्मनस्य सूक्त अथर्ववेद 3/30

4 ब्रह्मचर्य सूक्त- प्रमुख मन्त्र अथर्ववेद 11/5 (1-10)

5 अमृत अभिलाषी बालक - (कठोपनिषद् प्रथम वल्ली की कथा)

Unit-IV प्रयोगात्मक

1 नैतिकता प्राप्ति के साधन - ध्यान एवं प्राणायाम का अभ्यास

2 प्राणायाम - दीर्घ श्वसन , अनुलोम विलोम अन्त : कुम्भक , बाह्य कुम्भक

3 घर में अतिथि यज्ञ एवं बलिवैश्वदेव यज्ञ का अभ्यास

4 अग्निहोत्र अनुष्ठान

संस्तुत ग्रन्थ -

1. पञ्च महायज्ञ विधि - महर्षि दयानन्द सरस्वती,आर्ष साहित्य प्रकाशक ट्रस्ट, खारी बावड़ी, दिल्ली
2. पञ्च यज्ञ प्रकाश - स्वामी समर्पणानन्द सरस्वती , गुरुकुल प्रभात आश्रम, भोला, मेरठ उत्तर प्रदेश
3. संस्कार विधि - महर्षि दयानन्द सरस्वती, आर्ष साहित्य प्रकाशक ट्रस्ट, खारी बावड़ी, दिल्ली
4. मनुस्मृति - कुल्लुक भट्ट - टीका , चौखम्भा संस्कृत भवन, पो० बाक्स नंबर 1160 , चौक वाराणसी
5. योग दर्शन - द्वितीय पाद, गीता प्रैस, गोरखपुर
6. कठोपनिषद - गीता प्रैस, गोरखपुर
7. चाणक्य नीति- चौखम्भा प्रकाशन, नई दिल्ली
8. विदुर नीति - विजय कुमार गोविन्दराम हासानन्द, नई सड़क, नई दिल्ली

Mapping Between Cos and Pos		
	Course Outcomes (COs)	Mapped Programme Outcome
CO1	पञ्चमहायज्ञ के स्वरूप से परिचित होंगे।	PO.4
CO2	मानव जीवन में संस्कारों की महत्ता जानेंगे एवं उनके अनुष्ठान में कुशल होंगे।	PO.4
CO3	छात्रों में नैतिक मूल्य विकसित होंगे।	PO.6
CO4	छात्र धर्म के यथार्थ स्वरूप तथा उसके समालोचनात्मक स्वरूप को जानेंगे।	PO.11 एवं 4

प्रश्नपत्र अध्ययन परिणाम मूल्यांकन (Course Outcome Assessment)

यह प्रश्नपत्र पाठ्यक्रम के निर्धारित अध्ययन परिणाम PO.4, PO.6, PO.11 को अधिकता से पूर्ण कर रहा है।

स्नातक स्तरीय पाठ्यक्रम (राष्ट्रिय शिक्षा नीति के अनुसार)
प्रथमसत्र

कौशल विकास पाठ्यक्रम **पञ्चमहायज्ञ-I** **पूर्णाङ्क -50**
पेपर कोड BPM-Q101 **लिखित परीक्षा -30**
सत्रीय मूल्यांकन-20
सकल-अर्जिताधिभार 02

पाठ्यक्रम उद्देश्य -

इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य छात्रों को समाज एवं पर्यावरण के प्रति जागरूक तथा संस्कारित करना है। एतर्थ इस पाठ्यक्रम में पञ्च महायज्ञ को समाविष्ट किया गया है।

पाठ्यक्रम अध्ययन परिणाम

CO1 छात्र यज्ञ के यथार्थ स्वरूप से परिचित होंगे।
CO2 छात्र संस्कारवान् बनेंगे तथा व्यक्तित्व विकास होगा।
CO3 छात्रों में नैतिक मूल्य विकसित होंगे।
CO4 छात्र पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरक होंगे।

प्रश्नपत्र मूल्यांकन विधि

प्रश्नपत्र का मूल्यांकन आन्तरिक मूल्यांकन (20 अंक) एवं सत्रान्त परीक्षा (30 अंक) के द्वारा होगा। आन्तरिक मूल्यांकन में 10 अंक सत्रीय परीक्षा, 05 अंक उपस्थिति तथा 05 असाइनमेण्ट के होंगे। सत्रान्त परीक्षा में 06 लघूत्तरीय प्रश्न पूछे जायेंगे, जिनमें से 05 प्रश्नों का उत्तर देना होगा। प्रत्येक प्रश्न 06 अंक का होगा

इकाई:1 यज्ञ का स्वरूप एवं प्रकार
इकाई:2 यज्ञ का महत्त्व
(क) भौतिक एवं आध्यात्मिक उन्नति
(ख) पर्यावरण शुद्धि
(ग) संगठन की भावना का विकास
(घ) त्याग की भावना का विकास
(ङ) कर्मशोधन
(च) यज्ञ का अधिकारी
इकाई:3 ब्रह्मयज्ञ का स्वरूप
(क) इन्द्रिय अनुष्ठान
(ख) मानसिक अनुष्ठान
(ग) बुद्धिगत अनुष्ठान
(घ) चित्त का अनुष्ठान
(ङ) अहंकार निवारण
(च) जप एवं उपासना का स्वरूप
इकाई:4 ब्रह्मयज्ञ की विधि एवं महत्त्व
(क) स्वाध्याय एवं सन्ध्या
(ख) पुरुषार्थचतुष्टय की सिद्धि
(ग) व्यक्तित्व विकास
(घ) आध्यात्मिक उन्नति
इकाई:5 प्रायोगिक एवं मौखिकी

संस्तुत ग्रन्थ

1. पञ्चयज्ञ महाविधि, गोविन्दाराम हासानन्द, नई सडक, पुरानी दिल्ली

2. पञ्च यज्ञ प्रकाश, स्वामी समर्पणानन्द सरस्वती, स्वामी समर्पणानन्द वैदिक शोध संस्थान, मेरठ

3. आर्योद्देश्य रत्नमाला

4. ऋग्वेदादिभाष्यभूमिका, स्वामी दयानन्द सरस्वती

5.सन्ध्यायोग ब्रह्मसाक्षात्कार, पण्डित जगन्नाथ पथिक

6.सन्ध्या पद्धति मीमांसा, आचार्य विश्वश्रवा

7. सत्यार्थ प्रकाश, स्वामी दयानन्द सरस्वती

8. गोकरुणानिधि, स्वामी दयानन्द सरस्वती

बी.ए. संस्कृत आनर्स विथ रिसर्च (विद्यालंकार)
द्वितीय सत्र

आधारभूत पत्र (Core paper)	**संस्कृत व्याकरण**	**पूर्णाङ्क -100**
HSA- C221	**Sanskrit Grammar**	**सत्रान्त परीक्षा -60**
		आन्तरिक परीक्षा-40
		सकल-अर्जिताधिभार 06

पाठ्यक्रम का उद्देश्य-

इस पाठ्यक्रम के माध्यम से विद्यार्थियों को संस्कृत भाषा के संरचनात्मक वैशिष्ट्य से परिचित कराना है।

पाठ्यक्रम अध्ययन परिणाम-

CO1 संस्कृत व्याकरण से परिचित होंगे।
CO2 संस्कृत भाषा सम्प्रेषण कौशल की वृद्धि होगी।
CO3 व्याकरण के ज्ञान से साहित्य के विश्लेषण में निपुण होंगे।

प्रश्नपत्र मूल्यांकन विधि

प्रश्नपत्र का मूल्यांकन आन्तरिक मूल्यांकन (40 अंक) तथा सत्रान्त परीक्षा (60 अंक) के द्वारा होगा। आन्तरिक मूल्यांकन (40 अंक) में 25 अंक सत्रीय परीक्षा, 10 अंक उपस्थिति तथा 05 असाइनमेण्ट के होंगे। सत्रान्त परीक्षा (60 अंक) में प्रश्नपत्र क, ख एवं ग तीन खण्डों में विभक्त होगा। खण्ड क में 05 अतिलघूत्तरीय प्रश्न पूछे जायेंगे, सभी प्रश्न अनिवार्य होंगे तथआ प्रत्येक प्रश्न 02 अंक का होगा। खण्ड ख में 06 लघूत्तरीय प्रश्न पूछे जायेंगे, जिनमें 04 प्रश्नों का उत्तर देना होगा। खण्ड ख का प्रत्येक प्रश्न 05 अंक का होगा। खण्ड ग में 05 दीर्घोत्तरीय प्रश्न पूछे जायेंगे, जिनमें 03 प्रश्नों का उत्तर देना होगा। खण्ड ग का प्रत्येक प्रश्न 10 अंक का होगा।

प्रस्तावित पाठ्यक्रम

Unit-1 **अष्टाध्यायी सूत्र स्मरण** (प्रथम अध्याय का चतुर्थ पाद एवं द्वितीय अध्याय का तृतीय पाद)
Unit-II **सूत्र व्याख्या एवं सिद्धि** (प्रथम अध्याय का चतुर्थ पाद)
Unit-III **सूत्र व्याख्या एवं सिद्धि** (द्वितीय अध्याय का तृतीय पाद)
Unit-IV **संस्कृत अनुवाद** (उपर्युक्त सूत्रों के अनुसार)
Unit-V **संस्कृत वाक्य शुद्धि** (उपर्युक्त सूत्रों के अनुसार)

संस्तुत ग्रन्थ

1. अष्टाध्यायी, प्रकाशक- रामलाल कपूर ट्रस्ट, रेवली, सोनीपत (हरयाणा)
1.जिज्ञासु ब्रह्मदत्त, अष्टाध्यायी भाष्य प्रथमावृत्ति, प्रथम भाग, प्रकाशक- रामलाल कपूर ट्रस्ट, रेवली, सोनीपत (हरयाणा
3. सरस्वती, स्वामी दयानन्द, कारकीय

Mapping Between Cos and Pos		
	Course Outcomes (COs)	Mapped Programme Outcome
CO1	संस्कृत व्याकरण से परिचित होंगे।	PO.3
CO2	संस्कृत भाषा सम्प्रेषण कौशल की वृद्धि होगी।	PO.14
CO3	व्याकरण के ज्ञान से साहित्य के विश्लेषण में निपुण होंगे।	PO.12

प्रश्नपत्र अध्ययन परिणाम मूल्यांकन (Course Outcome Assessment)

यह प्रश्नपत्र पाठ्यक्रम के निर्धारित अध्ययन परिणाम PO.3, PO.13, PO.12 को अधिकता से पूर्ण कर रहा है।

बी.ए. संस्कृत आनर्स विथ रिसर्च (विद्यालंकार)
द्वितीय सत्र

आधारभूत पत्र (Core paper)	**संस्कृतपद्य काव्य**	**पूर्णाङ्क -100**
HSA-C222	**Sanskrit Poetry**	**सत्रान्त परीक्षा -60**
		आन्तरिक परीक्षा-40
		क्रेडिट- 06

पाठ्यक्रम का उद्देश्य

इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थी को शास्त्रीय संस्कृत पद्य की जानकारी देना है। इसका मन्तव्य साहित्य की ऐसी समझ प्रदान करना है, जिससे कि विद्यार्थी संस्कृत साहित्य के विकास को समझ सकेंगे। पाठ्यक्रम का एक उद्देश्य यह भी है कि छात्र भाषा का प्रयोग सम्यक् रूप से करने में समर्थ हो सकें।

पाठ्यक्रम अध्ययन परिणाम-

CO1 इसके अध्ययन से छात्र संस्कृत पद्य रचना की प्रवृत्ति एवं सिद्धान्तों से परिचित होंगे।।
CO2 छात्र संस्कृतभाषा के संरचनात्मक भाषावैशिष्ट्य को जानेंगे।
CO3 इसके अध्ययन से छात्र प्राचीन सामाजिक स्थिति एवं सांस्कृतिक मूल्यों का ज्ञान प्राप्त करेंगे।

प्रश्नपत्र मूल्यांकन विधि

प्रश्नपत्र का मूल्यांकन आन्तरिक मूल्यांकन (40 अंक) तथा सत्रान्त परीक्षा (60 अंक) के द्वारा होगा। आन्तरिक मूल्यांकन (40 अंक) में 25 अंक सत्रीय परीक्षा, 10 अंक उपस्थिति तथा 05 असाइनमेण्ट के होंगे। सत्रान्त परीक्षा (60 अंक) में प्रश्नपत्र क, ख एवं ग तीन खण्डों में विभक्त होगा। खण्ड क में 05 अतिलघूत्तरीय प्रश्न पूछे जायेंगे, सभी प्रश्न अनिवार्य होंगे तथआ प्रत्येक प्रश्न 02 अंक का होगा। खण्ड ख में 06 लघूत्तरीय प्रश्न पूछे जायेंगे, जिनमें 04 प्रश्नों का उत्तर देना होगा। खण्ड ख का प्रत्येक प्रश्न 05 अंक का होगा। खण्ड ग में 05 दीर्घोत्तरीय प्रश्न पूछे जायेंगे, जिनमें 03 प्रश्नों का उत्तर देना होगा। खण्ड ग का प्रत्येक प्रश्न 10 अंक का होगा।

प्रस्तावित पाठ्यक्रम

Unit-I **रघुवंशमहाकाव्यम्** (प्रथम सर्ग- श्लोक संख्या 1-30)
1. कवि तथा उनकी कृतियों का परिचय
2. प्रथम सर्ग- विषयवस्तु, श्लोकों का अनुवाद एवं व्याख्या, चरित्र-चित्रण

Unit-II **किरातार्जुनीयमहाकाव्यम्** (प्रथम सर्ग- श्लोक संख्या 1-30)
1. कवि तथा उनकी कृतियों का परिचय
2. प्रथम सर्ग की विषयवस्तु, श्लोकों का अर्थ एवं अनुवाद, व्याख्या, कवि की काव्यात्मक विशिष्टता ।

Unit-III **कुमारसम्भवम् (पञ्चम सर्ग 1-30 श्लोक)**
1 कवि तथा उनकी कृतियों का परिचय
2 कुमारसम्भवम् की विषयवस्तु, श्लोकों का अनुवाद एवं व्याख्या, कवि की काव्यात्मक विशिष्टता।

Unit-IV **संस्कृत महाकाव्यों का परिचय**

1. महाकाव्य का लक्षण (साहित्यदर्पण के अनुसार)।
2. महाकाव्यों की उत्पत्ति और विकास- अश्वघोष, कालिदास, भारवि, माघ, भट्टि तथा श्रीहर्ष के विशेष सन्दर्भ में ।

संस्तुत ग्रन्थ

1.कृष्णमणि त्रिपाठी, रघुवंशम्(मल्लिनाथकृत सञ्जीवनीटीका), चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी
2. नेमिचन्द्र शास्त्री, कुमारसम्भवम्, मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली
3. जनार्दन शास्त्री, भारवि कृत किरातार्जुनीयम्, मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली

Mapping Between Cos and Pos		
	Course Outcomes (COs)	Mapped Programme Outcome
CO1	छात्र संस्कृत पद्य रचना की प्रवृत्ति एवं सिद्धान्तों से परिचित होंगे।।	PO.13
CO2	छात्र संस्कृतभाषा के संरचनात्मक भाषावैशिष्ट्य को जानेंगे।	PO.2
CO3	छात्र प्राचीन सामाजिक स्थिति एवं सांस्कृतिक मूल्यों का ज्ञान प्राप्त करेंगे।	PO.4, PO.7

प्रश्नपत्र अध्ययन परिणाम मूल्यांकन (Course Outcome Assessment)

यह प्रश्नपत्र पाठ्यक्रम के निर्धारित अध्ययन परिणाम PO.13, PO.2, PO.4, PO.7 को अधिकता से पूर्ण कर रहा है।

बी.ए. संस्कृत आनर्स विथ रिसर्च (विद्यालंकार)
द्वितीय सत्र

कौशलविकास पाठ्यक्रम	**वैदिक कर्मकाण्ड**	**पूर्णाङ्क -100**
(Skill development course)	**Vedic Ritual**	**सत्रान्त परीक्षा -60**
Paper HSA–S221		**आन्तरिक परीक्षा-40**
		सकल-अर्जिताधिभार 04

पाठ्यक्रम का उद्देश्य-

इस पत्र का उद्देश्य छात्रों को वैदिक कर्मकाण्ड से परिचित कराना है। इससे छात्र वैदिक कर्मकाण्ड के वास्तविक स्वरूप को जान सकता है। वैदिक कर्मकाण्ड के यथार्थस्वरूप को जानकर स्वरोजगार में प्रवृत्त हो सकता है।

पाठ्यक्रम अध्ययन परिणाम-

CO1 इसके अध्ययन से वैदिककर्मकाण्ड के महत्त्व को जानेंगे।
CO2 कर्मकाण्डविषयक विविध ज्ञान-विज्ञान से परिचित होंगे।
CO3 इस पत्र के अध्ययन से छात्रों में रोजगार प्राप्त करने के कौशल में वृद्धि होगी ।
CO4 इससे छात्रों में आध्यात्मिक मूल्य विकसित होंगे।

प्रश्नपत्र मूल्यांकन विधि

प्रश्नपत्र का मूल्यांकन आन्तरिक मूल्यांकन (40 अंक) तथा सत्रान्त परीक्षा (60 अंक) के द्वारा होगा। आन्तरिक मूल्यांकन (40 अंक) में 25 अंक सत्रीय परीक्षा, 10 अंक उपस्थिति तथा 05 असाइनमेण्ट के होंगे। सत्रान्त परीक्षा (60 अंक) में प्रश्नपत्र क, ख एवं ग तीन खण्डों में विभक्त होगा। खण्ड क में 05 अतिलघूत्तरीय प्रश्न पूछे जायेंगे, सभी प्रश्न अनिवार्य होंगे तथआ प्रत्येक प्रश्न 02 अंक का होगा। खण्ड ख में 06 लघूत्तरीय प्रश्न पूछे जायेंगे, जिनमें 04 प्रश्नों का उत्तर देना होगा। खण्ड ख का प्रत्येक प्रश्न 05 अंक का होगा। खण्ड ग में 05 दीर्घोत्तरीय प्रश्न पूछे जायेंगे, जिनमें 03 प्रश्नों का उत्तर देना होगा। खण्ड ग का प्रत्येक प्रश्न 10 अंक का होगा।

प्रस्तावित पाठ्यक्रम

Unit-I पञ्चमहायज्ञ स्वरूप एवं महत्त्व

1 पञ्च महायज्ञ विधि एवं महत्त्व

2 ब्रह्म यज्ञ अनुष्ठान विधि एवं महत्त्व

3 देव यज्ञ अनुष्ठान विधि एवं महत्त्व

4 पितृ, अतिथि एवं बलिवैश्वदेवयज्ञ अनुष्ठान विधि एवं महत्त्व

Unit-II वैदिक कर्मकाण्ड

1 गृहप्रवेश विधि
2 व्यापारिक प्रतिष्ठान शुभारम्भ विधि
3 शिलान्यास विधि
4 जन्मदिन एवं वैवाहिक वर्षगाँठ विधि
5 श्रावणी उपाकर्म एवं दीपावली यज्ञ विधि

खन्ड (III) संस्कारों की विधि एवं महत्त्व

1 पुंसवन एवं सीमन्तोन्नयन संस्कार विधि एवं महत्त्व

2 नामकरण संस्कार मुंडन संस्कार विधि एवं महत्त्व

3 अन्नप्राशन संस्कार एवं कर्णवेध संस्कार विधि एवं महत्त्व

4 उपनयन संस्कार विधि एवं महत्त्व

5 विवाह संस्कार विधि एवं महत्त्व

6 अंत्येष्टि संस्कार विधि एवं महत्त्व

संस्तुत ग्रन्थ

1. संस्कार विधि - महर्षि दयानन्द सरस्वती, गोविन्दराम हासानन्द, नई सड़क नई दिल्ली

2. संस्कार चंद्रिका - सत्यव्रत सिद्धान्तालंकार, गोविन्दराम हासानन्द, नई सड़क नई दिल्ली

3. नित्यकर्म विधि - आर्ष साहित्य प्रकाशक ट्रस्ट खरी बावड़ी दिल्ली

4. संस्कार भास्कर - मदनमोहन विद्यासागर , गोविन्दराम हासानन्द, नई सड़क नई दिल्ली

apping Between Cos and Pos		
	Course Outcomes (COs)	Mapped Programme Outcome
CO1	इसके अध्ययन से वैदिककर्मकाण्ड के महत्त्व को जानेंगे।	PO.4
CO2	कर्मकाण्डविषयक विविध ज्ञान-विज्ञान से परिचित होंगे।	PO.3
CO3	इस पत्र के अध्ययन से छात्रों में रोजगार प्राप्त करने के कौशल में वृद्धि होगी ।	PO.8
CO4	इससे छात्रों में आध्यात्मिक मूल्य विकसित होंगे।	PO.6

प्रश्नपत्र अध्ययन परिणाम मूल्यांकन (Course Outcome Assessment)

यह प्रश्नपत्र पाठ्यक्रम के निर्धारित अध्ययन परिणाम PO.1, PO.3, PO.8, PO.6 को अधिकता से पूर्ण कर रहा है।

स्नातक स्तरीय पाठ्यक्रम (राष्ट्रिय शिक्षा नीति के अनुसार)
द्वितीय सत्र

कौशल विकास पाठ्यक्रम **पञ्चमहायज्ञ-II** **पूर्णाङ्क -50**
पेपर कोड BPM-Q201 **लिखित परीक्षा -30**
सत्रीय मूल्यांकन-20
सकल-अर्जिताधिभार 02

पाठ्यक्रम उद्देश्य -

इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य छात्रों को धार्मिक क्रियाओं से परिचित कराना तथा आडम्बर के प्रति जागरूक करना है। एतर्थ इस पाठ्यक्रम में पञ्च महायज्ञ को समाविष्ट किया गया है।

पाठ्यक्रम अध्ययन परिणाम

CO1 पञ्चमहायज्ञ के स्वरूप से परिचित होंगे।
CO2 छात्रों में सामाजिक सद्भावना एवं सामनस्य का विकास होगा।
CO3 छात्रों में वरिष्ठ जनों के प्रति आदर, सम्मान के भाव विकसित होंगे।
CO4 छात्र यज्ञ के यथार्थ स्वरूप को जानेंगे।
CO4 छात्रों में जीव जन्तुओं के प्रति स्नेह, दया एवं संरक्षण की भावना विकसित हो सकेगी।

प्रश्नपत्र मूल्यांकन विधि

प्रश्नपत्र का मूल्यांकन आन्तरिक मूल्यांकन (20 अंक) एवं सत्रान्त परीक्षा (30 अंक) के द्वारा होगा। आन्तरिक मूल्यांकन में 10 अंक सत्रीय परीक्षा, 05 अंक उपस्थिति तथा 05 असाइनमेण्ट के होंगे। सत्रान्त परीक्षा में 06 लघूत्तरीय प्रश्न पूछे जायेंगे, जिनमें से 05 प्रश्नों का उत्तर देना होगा। प्रत्येक प्रश्न 06 अंक का होगा

इकाई:1 देवयज्ञ का स्वरूप, विधि एवं महत्त्व

(क) देवताओं का यथार्थ स्वरूप

(ख) देवाहुति स्वरूप

(ग) पर्यावरण शुद्धि

(घ) यज्ञीय सामग्री

इकाई:2 पितृयज्ञ का स्वरूप विधि एवं महत्त्व

(क) श्राद्ध एवं तर्पण

इकाई:3 बलिवैश्यदेव यज्ञ का स्वरूप, विधि एवं महत्त्व

(क) जीवरक्षा

इकाई:4 अतिथि यज्ञ स्वरूप, विधि एवं महत्त्व

(क) आचार्य, गुरु, संन्यासी एवं विद्वान् का स्वरूप एवं सेवा

इकाई:5 प्रायोगिक एवं मौखिकी

संस्तुत ग्रन्थ

1. पञ्चयज्ञ महाविधि, गोविन्दाराम हासानन्द, नई सडक, पुरानी दिल्ली

2. पञ्च यज्ञ प्रकाश, स्वामी समर्पणानन्द सरस्वती, स्वामी समर्पणानन्द वैदिक शोध संस्थान, मेरठ

3. आर्योद्देश्य रत्नमाला

4. ऋग्वेदादिभाष्यभूमिका, स्वामी दयानन्द सरस्वती

5.सन्ध्यायोग ब्रह्मसाक्षात्कार, पण्डित जगन्नाथ पथिक

6.सन्ध्या पद्धति मीमांसा, आचार्य विश्वश्रवा

7. सत्यार्थ प्रकाश, स्वामी दयानन्द सरस्वती

8. गोकरुणानिधि, स्वामी दयानन्द सरस्वती

बी.ए. संस्कृत आनर्स विथ रिसर्च (विद्यालंकार)
तृतीय सत्र

आधारभूत पत्र (Core paper) **संस्कृत व्याकरण** **पूर्णाङ्क -100**
HSA- C321 **Sanskrit Grammar** **सत्रान्त परीक्षा -60**
आन्तरिक परीक्षा-40
सकल-अर्जिताधिभार 06

पाठ्यक्रम का उद्देश्य-

इस पाठ्यक्रम के माध्यम से विद्यार्थियों को संस्कृत भाषा के संरचनात्मक वैशिष्ट्य से परिचित कराना है।

पाठ्यक्रम अध्ययन परिणाम-

CO1 संस्कृत व्याकरण से परिचित होंगे।
CO2 संस्कृत भाषा सम्प्रेषण कौशल की वृद्धि होगी।
CO3 व्याकरण के ज्ञान से साहित्य के विश्लेषण में निपुण होंगे।

प्रश्नपत्र मूल्यांकन विधि

प्रश्नपत्र का मूल्यांकन आन्तरिक मूल्यांकन (40 अंक) तथा सत्रान्त परीक्षा (60 अंक) के द्वारा होगा। आन्तरिक मूल्यांकन (40 अंक) में 25 अंक सत्रीय परीक्षा, 10 अंक उपस्थिति तथा 05 असाइनमेण्ट के होंगे। सत्रान्त परीक्षा (60 अंक) में प्रश्नपत्र क, ख एवं ग तीन खण्डों में विभक्त होगा। खण्ड क में 05 अतिलघूत्तरीय प्रश्न पूछे जायेंगे, सभी प्रश्न अनिवार्य होंगे तथआ प्रत्येक प्रश्न 02 अंक का होगा। खण्ड ख में 06 लघूत्तरीय प्रश्न पूछे जायेंगे, जिनमें 04 प्रश्नों का उत्तर देना होगा। खण्ड ख का प्रत्येक प्रश्न 05 अंक का होगा। खण्ड ग में 05 दीर्घोत्तरीय प्रश्न पूछे जायेंगे, जिनमें 03 प्रश्नों का उत्तर देना होगा। खण्ड ग का प्रत्येक प्रश्न 10 अंक का होगा।।

प्रस्तावित पाठ्यक्रम

Unit-I **अष्टाध्यायी स्मरण** (द्वितीय अध्याय प्रथम पाद एवं द्वितीय पाद)
Unit-II **सूत्र व्याख्या एवं रूप सिद्धि** (अष्टाध्यायी भाष्य प्रथमावृत्ति के अनुसार)
(क) द्वितीय अध्याय प्रथम पाद (सूत्र व्याख्या एवं रूपसिद्धि)
(ख) द्वितीय अध्याय द्वितीय पाद (सूत्र व्याख्या एवं रूपसिद्धि)

संस्तुत ग्रन्थ

1. अष्टाध्यायी, प्रकाशक- रामलाल कपूर ट्रस्ट, रेवली, सोनीपत (हरयाणा)
1.जिज्ञासु ब्रह्मदत्त, अष्टाध्यायी भाष्य प्रथमावृत्ति, प्रथम भाग, प्रकाशक- रामलाल कपूर ट्रस्ट, रेवली, सोनीपत (हरयाणा)

Mapping Between Cos and Pos		
	Course Outcomes (COs)	Mapped Programme Outcome
CO1	संस्कृत व्याकरण से परिचित होंगे।	PO.3
CO2	संस्कृत भाषा सम्प्रेषण कौशल की वृद्धि होगी।	PO.14
CO3	व्याकरण के ज्ञान से साहित्य के विश्लेषण में निपुण होंगे।	PO.12

प्रश्नपत्र अध्ययन परिणाम मूल्यांकन (Course Outcome Assessment)

यह प्रश्नपत्र पाठ्यक्रम के निर्धारित अध्ययन परिणाम PO.3, PO.13, PO.12 को अधिकता से पूर्ण कर रहा है।

बी.ए. संस्कृत आनर्स विथ रिसर्च (विद्यालंकार)

तृतीय सत्र

आधारभूत पत्र (Core paper)	**संस्कृत नाटक**	**पूर्णाङ्क -100**
HSA- C322	**Sanskrit Dramas**	**सत्रान्त परीक्षा -60**
		आन्तरिक परीक्षा-40
		सकल-अर्जिताधिभार- 06

पाठ्यक्रम का उद्देश्य-

इस पाठ्यक्रम का ध्येय छात्रों को संस्कृत के प्रमुख नाटकों से अवगत कराना है, जो कि संस्कृत नाटकों के विकास के तीन कालों का प्रतिनिधित्व करता है। इसके माध्यम से छात्र संस्कृत के प्रमुखनाटककारों के नाटक को जान सकता है तथा तत्नाटकों में वर्णित तत्कालीन संस्कृति से परिचित होता है।

पाठ्यक्रम अध्ययन परिणाम-

CO1 इस पत्र के अध्ययन से छात्र संस्कृत नाटकों से परिचित होंगे।।

CO2 इससे नाट्यगत अभिनय आदि कलाओं में निपुण होंगे।

CO3 तत्कालीन सामाजिक, सांस्कृतिक, राजनैतिक आदि स्थितियों से अवगत होगें।

CO4 साहित्यिक विश्लेषण में सक्षम होंगे।

प्रश्नपत्र मूल्यांकन विधि

प्रश्नपत्र का मूल्यांकन आन्तरिक मूल्यांकन (40 अंक) तथा सत्रान्त परीक्षा (60 अंक) के द्वारा होगा। आन्तरिक मूल्यांकन (40 अंक) में 25 अंक सत्रीय परीक्षा, 10 अंक उपस्थिति तथा 05 असाइनमेण्ट के होंगे। सत्रान्त परीक्षा (60 अंक) में प्रश्नपत्र क, ख एवं ग तीन खण्डों में विभक्त होगा। खण्ड क में 05 अतिलघूत्तरीय प्रश्न पूछे जायेंगे, सभी प्रश्न अनिवार्य होंगे तथआ प्रत्येक प्रश्न 02 अंक का होगा। खण्ड ख में 06 लघूत्तरीय प्रश्न पूछे जायेंगे, जिनमें 04 प्रश्नों का उत्तर देना होगा। खण्ड ख का प्रत्येक प्रश्न 05 अंक का होगा। खण्ड ग में 05 दीर्घोत्तरीय प्रश्न पूछे जायेंगे, जिनमें 03 प्रश्नों का उत्तर देना होगा। खण्ड ग का प्रत्येक प्रश्न 10 अंक का होगा।

प्रस्तावित पाठ्यक्रम

Unit-I **स्वप्नवासवदत्तम्, अंक : 1 एवं 6**

1 स्वप्नवासवदत्तम् 1 और **6** अंक की विषय-वस्तु, अनुवाद और व्याख्या, चरित्र-चित्रण, लेखक परिचय, भास की भाषाशैली।

Unit-II **अभिज्ञानशाकुन्तलम्, अंक 4**

1 अभिज्ञानशाकुन्तलम्- लेखक-परिचय, चतुर्थ अंक की विषय-वस्तु, व्याकरणात्मक-विश्लेषण, अनुवाद एवं व्याख्या।

2 पारिभाषिक-विश्लेषण, यथा-नान्दी,प्रस्तावना, सूत्रधार, नटी, विष्कम्भक, विदूषक, कञ्चुकी।

3 कवि की काव्यात्मक विशिष्टता, कथावस्तु, भाषाशैली।

Unit-III **प्रबोधचन्द्रोदयम्, अंक 4, 5**

1 (क) प्रबोधचन्द्रोदय के लेखक का परिचय, काल- निर्धारण तथा नाटक की विषय-वस्तु, कवि की काव्यात्मक विशिष्टता ।

(ख) चतुर्थ अंक का व्याकरणात्मक-विश्लेषण, अनुवाद एवं व्याख्या। ।

2 पञ्चम-अंक का व्याकरणात्मक-विश्लेषण, अनुवाद एवं व्याख्या।

Unit-IV **संस्कृत नाटकों का समालोचनात्मक अध्ययन**

1 (क) संस्कृत नाटकः उत्पत्ति, विकास एवं स्वरूप।

(ख) प्रमुख नाटक और नाटककारों का परिचय- भास, कालिदास, शूद्रक, विशाखदत्त, श्रीहर्ष, भवभूति और भट्टनारायण के विशेष सन्दर्भ में।

संस्तुत ग्रन्थ

1. सुबोधचन्द्र पन्त, अभिज्ञानशाकुन्तलम्, मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली।
2. सुरेन्द्रदेव शास्त्री, रामनारायण बेनीप्रसाद, अभिज्ञानशाकुन्तलम्, इलाहाबाद
3.जयपाल विद्यालङ्कार, स्वप्नवासवदत्तम्, मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली
4. कृष्ण मिश्र- प्रबोधचन्द्रोदय,चौखम्बाविद्याभवन, वाराणसी

Mapping Between Cos and Pos		
	Course Outcomes (COs)	Mapped Programme Outcome
CO1	इस पत्र के अध्ययन से छात्र संस्कृत नाटकों से परिचित होंगे।।	PO.3
CO2	इससे नाट्यगत अभिनय आदि कलाओं में निपुण होंगे।	PO.10
CO3	तत्कालीन सामाजिक, सांस्कृतिक, राजनैतिक आदि स्थितियों से अवगत होगें।	PO.7, PO.4
CO4	साहित्यिक विश्लेषण में सक्षम होंगे।	PO.12

प्रश्नपत्र अध्ययन परिणाम मूल्यांकन (Course Outcome Assessment)

यह प्रश्नपत्र पाठ्यक्रम के निर्धारित अध्ययन परिणाम PO.3, PO.10, PO7, PO.4, PO.312 को अधिकता से पूर्ण कर रहा है।

बी.ए. संस्कृत आनर्स विथ रिसर्च (विद्यालंकार)

तृतीय सत्र

आधारभूत पत्र (Core paper)	**संस्कृत गद्य काव्य**	**पूर्णाङ्क -100**
HSA-C323	**Sanskrit Prose**	**सत्रान्त परीक्षा -60**
		आन्तरिक परीक्षा-40
		सकल-अर्जिताधिभार 06

पाठ्यक्रम का उद्देश्य-

इस पाठ्यक्रम का लक्ष्य छात्रों को संस्कृत के शास्त्रीय गद्य से परिचित कराते हुए संस्कृत गद्य के उद्भव और विकास की पूर्ण जानकारी देना है। साथ ही सुललित गद्य की विधा से परिचित करवाते हुए संस्कृत उपन्यास भी इस पाठ्यक्रम में सम्मिलित किया गया है ताकि विद्यार्थी संस्कृत गद्य की उत्कृष्ट परम्परा से परिचित हो सकें। इस पाठ्यक्रम के माध्यम से छात्रों को स्वतन्त्र रूप से संस्कृत रचना करने औरसमझने में भी सहायता मिलेगी।

पाठ्यक्रम अध्ययन परिणाम-

CO1 इससे छात्र संस्कृतगद्य की विभिन्न विधाओं से परिचित होंगे।
CO2 छात्र गद्य साहित्य में वर्णित जीवनमूल्यों को जानेंगे।
CO3 संस्कृत वाक्यरचना में प्रवीण होंगे।

प्रश्नपत्र मूल्यांकन विधि

प्रश्नपत्र का मूल्यांकन आन्तरिक मूल्यांकन (40 अंक) तथा सत्रान्त परीक्षा (60 अंक) के द्वारा होगा। आन्तरिक मूल्यांकन (40 अंक) में 25 अंक सत्रीय परीक्षा, 10 अंक उपस्थिति तथा 05 असाइनमेण्ट के होंगे। सत्रान्त परीक्षा (60 अंक) में प्रश्नपत्र क, ख एवं ग तीन खण्डों में विभक्त होगा। खण्ड क में 05 अतिलघूत्तरीय प्रश्न पूछे जायेंगे, सभी प्रश्न अनिवार्य होंगे तथआ प्रत्येक प्रश्न 02 अंक का होगा। खण्ड ख में 06 लघूत्तरीय प्रश्न पूछे जायेंगे, जिनमें 04 प्रश्नों का उत्तर देना होगा। खण्ड ख का प्रत्येक प्रश्न 05 अंक का होगा। खण्ड ग में 05 दीर्घोत्तरीय प्रश्न पूछे जायेंगे, जिनमें 03 प्रश्नों का उत्तर देना होगा। खण्ड ग का प्रत्येक प्रश्न 10 अंक का होगा।

प्रस्तावित पाठ्यक्रम

Unit-I **शुकनासोपदेश**

1 (क) परिचय-कवि एवं कृति
2 (ख) शुकनासोपदेश में चित्रितसमाज, धनमदजन्यदोष तथा राजनीतिकतत्त्व
(ग) बाणोच्छिष्टं जगत्सर्वम्, वाणी बाणो बभूव, पञ्चाननो बाणः आदि की तर्कसंगतता।

Unit-I **शिवराजविजय प्रथम निश्वास**

1 (क) परिचय-कवि एवं कृति तथा काल-निर्धारण
(ख) व्याकरणात्मक-विश्लेषण, अनुवाद एवं स्पष्टीकरण (व्याख्या)
2 (क) कवि की काव्यात्मक विशिष्टता,विषयपरक विश्लेषण
(ख) शिवराजविजय के प्रथम निश्वास में समाज, अम्बिकादत्त व्यास की भाषाशैली, प्रकृतिचित्रण एवं वैशिष्ट्य

Unit-III **सिन्धुवादवृत्तम् (प्रारम्भिक चार यात्राएँ)**

1 (क) परिचय-कवि एवं कृति तथा काल-निर्धारण
(ख) व्याकरणात्मक-विश्लेषण, अनुवाद एवं स्पष्टीकरण (व्याख्या)
2 (क) कवि की काव्यात्मक विशिष्टता,विषयपरक विश्लेषण
(ख) सिन्धुवादवृत्तम् में वर्णित समाज, भाषाशैली, प्रकृतिचित्रण एवं वैशिष्ट्य

संस्तुत ग्रन्थ

1. रमाकान्त झा,शुकनासोपदश, चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी
4. शिवराजविजय, चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी
5. शिवराजविजय, साहित्यभण्डार, मेरठ
6. बलदेव उपाध्याय : संस्कृतसाहित्य का इतिहास, शारदा निकेतन, वाराणसी

Mapping Between Cos and Pos		
	Course Outcomes (COs)	Mapped Programme Outcome
CO1	इससे छात्र संस्कृतगद्य की विभिन्न विधाओं से परिचित होंगे।	PO.16
CO2	छात्र गद्य साहित्य में वर्णित जीवनमूल्यों को जानेंगे।	PO.6
CO3	संस्कृत वाक्यरचना में प्रवीण होंगे।	PO.2

प्रश्नपत्र अध्ययन परिणाम मूल्यांकन (Course Outcome Assessment)

यह प्रश्नपत्र पाठ्यक्रम के निर्धारित अध्ययन परिणाम PO.16, PO.6, PO2 को अधिकता से पूर्ण कर रहा है।

बी.ए. संस्कृत आनर्स विथ रिसर्च (विद्यालंकार)
तृतीय सत्र

मौलिक-वैकल्पिक-विषय	**वैदिक कर्मकाण्ड**	**पूर्णाङ्क -100**
Generic Elective (GE)	**Vedic Ritual**	**सत्रान्त परीक्षा -60**
HSA-G321		**आन्तरिक परीक्षा-40**
		सकल-अर्जिताधिभार 06

पाठ्यक्रम का उद्देश्य-

इस पत्र का उद्देश्य छात्रों को वैदिक कर्मकाण्ड से परिचित कराना है। इससे छात्र वैदिक कर्मकाण्ड के वास्तविक स्वरूप को जान सकता है। वैदिक कर्मकाण्ड के यथार्थस्वरूप को जानकर स्वरोजगार में प्रवृत्त हो सकता है।

पाठ्यक्रम अध्ययन परिणाम-

CO1 इसके अध्ययन से वैदिककर्मकाण्ड के महत्त्व को जानेंगे।
CO2 कर्मकाण्डविषयक विविध ज्ञान-विज्ञान से परिचित होंगे।
CO3 इस पत्र के अध्ययन से छात्रों में रोजगार प्राप्त करने के कौशल में वृद्धि होगी ।
CO4 इससे छात्रों में आध्यात्मिक मूल्य विकसित होंगे।

प्रश्नपत्र मूल्यांकन विधि

प्रश्नपत्र का मूल्यांकन आन्तरिक मूल्यांकन (40 अंक) तथा सत्रान्त परीक्षा (60 अंक) के द्वारा होगा। आन्तरिक मूल्यांकन (40 अंक) में 25 अंक सत्रीय परीक्षा, 10 अंक उपस्थिति तथा 05 असाइनमेण्ट के होंगे। सत्रान्त परीक्षा (60 अंक) में प्रश्नपत्र क, ख एवं ग तीन खण्डों में विभक्त होगा। खण्ड क में 05 अतिलघूत्तरीय प्रश्न पूछे जायेंगे, सभी प्रश्न अनिवार्य होंगे तथआ प्रत्येक प्रश्न 02 अंक का होगा। खण्ड ख में 06 लघूत्तरीय प्रश्न पूछे जायेंगे, जिनमें 04 प्रश्नों का उत्तर देना होगा। खण्ड ख का प्रत्येक प्रश्न 05 अंक का होगा। खण्ड ग में 05 दीर्घोत्तरीय प्रश्न पूछे जायेंगे, जिनमें 03 प्रश्नों का उत्तर देना होगा। खण्ड ग का प्रत्येक प्रश्न 10 अंक का होगा।

प्रस्तावित पाठ्यक्रम

Unit-I पञ्चमहायज्ञ स्वरूप एवं महत्त्व

1 पञ्च महायज्ञ विधि एवं महत्त्व

2 ब्रह्म यज्ञ अनुष्ठान विधि एवं महत्त्व

3 देव यज्ञ अनुष्ठान विधि एवं महत्त्व

4 पितृ, अतिथि एवं बलिवैश्वदेवयज्ञ अनुष्ठान विधि एवं महत्त्व

Unit-II वैदिक कर्मकाण्ड

1 गृहप्रवेश विधि

2 व्यापारिक प्रतिष्ठान शुभारम्भ विधि

3 शिलान्यास विधि

4 जन्मदिन एवं वैवाहिक वर्षगाँठ विधि

5 श्रावणी उपाकर्म एवं दीपावली यज्ञ विधि

खन्ड (III) संस्कारों की विधि एवं महत्त्व

1 पुंसवन एवं सीमन्तोन्नयन संस्कार विधि एवं महत्त्व

2 नामकरण संस्कार मुंडन संस्कार विधि एवं महत्त्व

3 अन्नप्राशन संस्कार एवं कर्णवेध संस्कार विधि एवं महत्त्व

4 उपनयन संस्कार विधि एवं महत्त्व

5 विवाह संस्कार विधि एवं महत्त्व

6 अंत्येष्टि संस्कार विधि एवं महत्त्व

संस्तुत ग्रन्थ

1. संस्कार विधि - महर्षि दयानन्द सरस्वती, गोविन्दराम हासानन्द, नई सड़क नई दिल्ली

2. संस्कार चंद्रिका - सत्यव्रत सिद्धान्तालंकार, गोविन्दराम हासानन्द, नई सड़क नई दिल्ली

3. नित्यकर्म विधि - आर्ष साहित्य प्रकाशक ट्रस्ट खरी बावड़ी दिल्ली

4. संस्कार भास्कर - मदनमोहन विद्यासागर , गोविन्दराम हासानन्द, नई सड़क नई दिल्ली

Mapping Between Cos and Pos		
	Course Outcomes (COs)	Mapped Programme Outcome
CO1	इसके अध्ययन से वैदिककर्मकाण्ड के महत्त्व को जानेंगे।	PO.4
CO2	कर्मकाण्डविषयक विविध ज्ञान-विज्ञान से परिचित होंगे।	PO.3
CO3	इस पत्र के अध्ययन से छात्रों में रोजगार प्राप्त करने के कौशल में वृद्धि होगी ।	PO.8
CO4	इससे छात्रों में आध्यात्मिक मूल्य विकसित होंगे।	PO.6

प्रश्नपत्र अध्ययन परिणाम मूल्यांकन (Course Outcome Assessment)

यह प्रश्नपत्र पाठ्यक्रम के निर्धारित अध्ययन परिणाम PO.1, PO.3, PO.8, PO.6 को अधिकता से पूर्ण कर रहा है।